राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 08 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-156 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मुनीर को कहां से मिली भारत को धमकाने की ताकत?

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से मुंह की खा चुके पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इतना आत्मविश्वास कहां से मिल रहा है? कि वे भारत के खिलाफ बोल सकें। कहीं इसके पीछे यूक्रेन का वह अप्रत्याशित सहयोग तो नहीं है, जिसे भारत ने कुछ महीने पहले उजागर किया था। भारतीय सीमा पर अपने लगभग 600 ड्रोन गंवाने के बाद, ऐसी खबरें हैं कि यूक्रेन अब पाकिस्तानी सेना को आधुनिक ड्रोन युद्ध में प्रशिक्षित कर रहा है। ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन आखिर पाकिस्तानी सेना को कौन सी नई रणनीतियाँ सिखा रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास इतना बढ़ गया है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर, सिंधु नदी समझौता रद्द होने की संभावना से बौखलाए हुए प्रतीत होते हैं। हाल के बयानों में वह भारत के खिलाफ हर तरीका इस्तेमाल करने की धमकी दे रहे हैं, जिससे उनकी आक्रामक मानसिकता स्पष्ट होती है। हालांकि, यह सवाल उठता है कि पिछले साल, पाकिस्तानी सेना ने भारत के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और आधुनिक साजिश रचने का प्रयास किया था, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया था। पाकिस्तान ने भारतीय सीमाओं के भीतर महत्वपूर्ण सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के लिए एक साथ लगभग 600 ड्रोन्स का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, पाकिस्तानी सेना का यह संपूर्ण ड्रोन ऑपरेशन एक बहुत बड़ी विफलता साबित हुआ। पाकिस्तानी सेना के अधिकांश ड्रोन या तो भारतीय सेना ने सीमा पर ही मार गिराए, या फिर वे तकनीकी कमियों और खराब रखरखाव की वजह से खुद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हालांकि, कुछ ड्रोन्स का मलबा रिहायशी इलाकों में गिरने से आम नागरिकों को थोड़ा नुकसान अवश्य हुआ, लेकिन कुल मिलाकर भारत ने पाकिस्तान के इस मेगा ड्रोन प्लान को पूरी तरह से विफल कर दिया। इस करारी हार ने पाकिस्तानी सेना को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि उनकी मौजूदा ड्रोन तकनीक और रणनीति भारत के सामने बेहद कमजोर और अप्रभावी है।

यूपी विस चुनाव राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को भुनाएगी सपा

पिछले लोस चुनाव में अयोध्या वाला फॉर्मूला

लखनऊ।

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला भाजपा के लिए जबरदस्त डेंट माना जा रहा है। पार्टी इससे कैसे निपटेगे ये वो जाने, लेकिन विपक्षी दल इसे भुनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने तो इसके लिए बैठकें शुरु कर दी हैं। रणनीति बनाई जाने लगी है। इसी रणनीति के तहत सपा विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर दलित, पिछड़े और मुस्लिमों को टिकट देने का मन बना रही है। वजह ये है कि पिछले लोकसभा चुनाव में सपा ने अपने दलित समाज के अवधेश प्रसाद को मैदान में उतारा गया और उन्होंने अयोध्या में जीत दर्ज की। इसी तरह मेरठ की सामान्य सीट पर भी दलित उम्मीदवार ने बेहद कड़े मुकाबले में विरोधी दल को कड़ी टक्कर दी थी। अब इसी सफल अयोध्या प्लान को आगामी विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर दोहराने की योजना है।

फिर इस बार तो अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला पूरे देश में गरमा रहा है। ऐसे में सपा की नजर वोट बैंक पर टिक गई है। इसी विशेष रणनीति के अनुसार, समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित 84 सीटों और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित 2 सीटों के अलावा 14 सामान्य सीटों पर भी दलित समाज के उम्मीदवारों को टिकट देगी। सपा ने यह प्रयोग पिछले लोकसभा चुनाव में फैजाबाद (अयोध्या) सीट पर किया था, जहां सामान्य सीट होने के बावजूद दलित समाज के अवधेश प्रसाद को मैदान में उतारा गया और उन्होंने जीत दर्ज की। इसी तरह मेरठ की सामान्य सीट पर भी दलित उम्मीदवार ने बेहद कड़े मुकाबले में विरोधी दल को कड़ी टक्कर दी थी। अब इसी सफल अयोध्या प्लान को आगामी विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर दोहराने की योजना है।

सोनीपत में उपभोक्ताओं को सरेंडर करना होगा गैस कनेक्शन

सोनीपत ।

गोहाना शहर के उन तमाम इलाकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण खबर है, जहां पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा पहुंच चुकी है। सरकार के नए नियमों के मुताबिक, आगामी 13 सितंबर के बाद ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब किसी भी एक ही घर में घरेलू एलपीजी और पीएनजी दोनों सेवाओं का एक साथ उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इस आदेश के बाद अब पीएनजी नेटवर्क वाले क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से अपना पुराना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना होगा, और ऐसा न करने की स्थिति में उनकी गैस सप्लाई को रोक दिया जाएगा।शहर के कुल 23 वार्डों में से अधिकांश हिस्सों में पीएनजी की पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है और तेजी से नए कनेक्शन दिए जा रहे हैं। गोहाना में वर्तमान में एलपीजी के तीन प्रमुख वितरकों द्वारा गैस सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है और शहर में लगभग 25 हजार से अधिक घरेलू एलपीजी उपभोक्ता सक्रिय हैं।

इंडो-पैसिफिक में नया अध्याय लिखने की तैयारी में भारत!

– जकार्ता में मोदी नीति- संसद से सीधे जनता तक

जकार्ता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा का दूसरा दिन भारत-इंडोनेशिया संबंधों के इतिहास में एक नया मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। आज का दिन राजनीतिक, रणनीतिक और जनसंपर्क (पीपुल-टू-पीपुल कनेक्ट) तीनों ही लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है, जो दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। आज दिन की शुरुआत राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और प्रधानमंत्री मोदी के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता से होगी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र में बदलते समीकरणों के बीच दोनों देशों की यह मुलाकात बेहद अहम है। इस बैठक में मुख्य रूप से इन मुद्दों पर चर्चा होनी है जिसमें रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को बढ़ाना, व्यापार-निवेश और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए साझा कदम उठाना है।द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया की संसद 'कोम्प्लेक्स पार्लेमेन रिपब्लिक इंडोनेशिया' पहुंचेंगे।

वहां वे सांसदों को एक विशेष कार्यक्रम के तहत संबोधित करेंगे। पीएम मोदी का यह संबोधन भारत-इंडोनेशिया की लोकतांत्रिक साझेदारी के साथ-साथ दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को एक नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। संसद का यह संबोधन दोनों देशों के बीच केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, बल्कि विधायी और लोकतांत्रिक स्तर पर भी संबंधों को मजबूत करेगा। प्रवासी भारतीयों से संवाददिन के अंतिम पड़ाव में प्रधानमंत्री मोदी जकार्ता में भारतीय समुदाय के एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अपने इस संबोधन में प्रधानमंत्री भारत की तेज विकास यात्रा और वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती धाक का जिक्र करेंगे। साथ ही, वे भारत-इंडोनेशिया के सदियों पुराने

सांस्कृतिक और जन-जन के रिश्तों को और प्रगाढ़ करने पर जोर देंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा से न केवल दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत की एक्ट ईस्ट नीति को एक नई गति मिलेगी।

बांग्लादेश की हिमाकत- जम्मू-कश्मीर को दिखाया पाक का हिस्सा

भारत ने जताई आपत्ति कहा- ये बिलकुल स्वीकार नहीं

ढाका ।

भारत के अहसानों तले दबे बांग्लादेश की हिमाकत देखिए.. कि उसने भारत का अभिन्न अंग जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बता दिया। ढाका में आयोजित एक सेमिनार में भारत की क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देते हुए एक ऐसा नक्शा प्रदर्शित किया, जिससे भारत का आक्रोशित होना स्वाभाविक था। राजधानी में एक रणनीतिक मामलों के सेमिनार के दौरान उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब प्रस्तुति में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का अभिन्न अंग दर्शाया गया। भारत ने इस गंभीर उल्लंघन पर तत्काल और कड़ा विरोध दर्ज कराया।

भारतीय उच्चायोग की एक अधिकारी ने कार्यक्रम के बीच में ही खड़े होकर स्पष्ट शब्दों में कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अविभाज्य और अभिन्न अंग है, और इस प्रकार का कोई भी नक्शा पूरी तरह से भ्रामक और अस्वीकार्य है। जैसे ही यह आपत्तिजनक नक्शा स्क्रीन पर आया, भारतीय उच्चायोग में सेकेंड

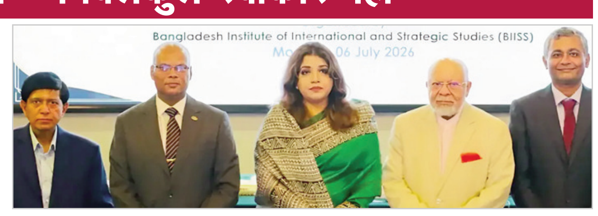

सेक्रेटरी (पॉलिटिकल एंड इंफॉर्मेशन) पूजा कुमारी झा ने बिना किसी विलंब के अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने जोर देकर कहा कि यहां भारत का जो नक्शा प्रस्तुत किया गया है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत है। पूजा कुमारी झा ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अविभाज्य और मौलिक हिस्सा है, और इसलिए यह प्रस्तुति पूरी तरह से असत्य और अस्वीकार्य है। भारतीय अधिकारी की इस सशक्त आपत्ति के बाद, कार्यक्रम में मौजूद सभी प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का ध्यान तुरंत इस संवेदनशील मुद्दे की ओर गया।

चढ़ावा चोरी कृष्ण मोहन को बनाया महासचिव 10 महीने पहले ही ट्रस्ट में हुए थे शामिल

साल 2024 में जब राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई तब वह यजमानों में शामिल थे

अयोध्या।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के निधन के बाद सितंबर 2025 में उनकी जगह रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन को ट्रस्टी बनाया गया है। महज 10 महीने में ही वह ट्रस्ट के सबसे ताकतवर महासचिव पद तक पहुंच गए। रामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया, जिससे महासचिव पद खाली हो गया था। अब पद को संभालने वाले कृष्ण मोहन वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने ट्रस्ट की ओर से चढ़ावा चोरी की सबसे पहली एफआईआर कराई थी।बता दें 73 साल के कृष्ण मोहन दलित समाज के हैं। 1977 बैच के आईएफएस अफसर रहे कृष्ण मोहन साल-2012 में संघ

से जुड़े थे। अभी वह संघ के पूर्वी यूपी के क्षेत्र संघचालक हैं। साल 2024 में जब राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तब वह यजमानों में शामिल थे। कृष्ण मोहन मूलरूप से हरदोई के शाहाबाद के रहने वाले हैं। पिता धर्मवीर सिंह भारतीय रेलवे में काम करते थे। उनका निधन हो चुका है। कृष्ण मोहन ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से जियोलॉजी में एमएससी तक पढ़ाई की है। कृष्ण मोहन की शादी कुसुमलता से हुई थी।

श्रीलंका में कैदियों ने मचाया कत्लेआम 25 को मार डाला

– सुरक्षाकर्मियों के छीने हथियार, 100 को किया लहूलुहान

कोलंबो।

श्रीलंका की सबसे हाई-सिक्योरिटी कही जाने वाली जेल में कैदियों ने कत्लेआम मचा दिया। पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो स्थित इस जेल में भीषण दंगा तब और भयावह हो गया जब दंगाई कैदियों ने सुरक्षाकर्मियों से हथियार छीन लिए, जिससे स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गई। अधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस भयावह हिंसा में कम से कम पच्चीस लोगों ने अपनी जान गंवाई, जबकि सौ से अधिक कैदी और जेलकर्मी घायल हुए हैं। रविवार को शुरू हुई यह भयावह हिंसा अगले दिन सोमवार तक भी जारी रही, इस दौरान दंगाई कैदियों ने जेल के शस्त्रागार पर कब्जा कर लिया, जिससे जेल प्रशासन के लिए हालात बेहद गंभीर हो गए। इस गंभीर स्थिति पर काबू पाने और हिंसा को रोकने के लिए पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और दंगा नियंत्रण इकाइयों को

तुरंत जेल में तैनात किया गया।

इस घटना ने श्रीलंका की जेल सुरक्षा प्रणाली, उसकी क्षमता से अधिक कैदियों की संख्या और जेलों के भीतर कथित आपराधिक नेटवर्कों की उपस्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। सरकार ने संकेत दिया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जेल सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक और मूलभूत सुधार किए जा सकते हैं, ताकि ऐसी त्रासदियों को भविष्य में रोका जा सके और जेलों में शांति व व्यवस्था बहाल की जा सके। यह घटना देश की आपराधिक न्याय प्रणाली और जेल प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरी है। इस बीच, श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षणा नानायक्कारा ने इस पूरे घटनाक्रम पर एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। रविवार को एक मजिस्ट्रेट की देखरेख में प्रारंभिक जांच भी कराई गई, जिसने घटना की गंभीरता को रेखांकित किया। सरकार अब जेल की सुरक्षा व्यवस्था, जेलों के भीतर कथित ड्रग नेटवर्क के पनपने और क्षमता से अधिक कैदियों की भीड़भाड़ जैसी गंभीर समस्याओं की समीक्षा कर रही है।प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि इस घातक झड़प की जड़ें जेल के भीतर सक्रिय दो प्रतिद्वंद्वी कैदी गुटों के बीच गहरे मतभेदों में थीं। अधिकारियों का मानना है कि एक गुट जेल के अंदर मादक पदार्थों की तस्करी का समर्थन करता था, जबकि दूसरा गुट इस अवैध गतिविधि का कड़ा विरोध कर रहा था। यह विवाद देखते ही देखते एक भीषण और हिंसक संघर्ष में बदल गया, जिसने जेल की शांति और व्यवस्था को पूरी तरह भंग कर दिया।

नौसेना को मिलेगा स्वदेशी स्टेल्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि

विशाखापत्तनम।

भारतीय नौसेना 11 जुलाई को स्वदेशी स्टेल्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि को अपने बेड़े में शामिल करेगी। यह प्रोजेक्ट-17ए श्रेणी का छठा युद्धपोत है, जिसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने किया है। युद्धपोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

यह अत्याधुनिक सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के साथ-साथ उन्नत एंटी-सबमरीन युद्ध प्रणाली से लैस है। महेंद्रगिरि के शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा और सामरिक क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

यहां बताते चलें कि इसे मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स द्वारा बनाया गया है।

इसमें 75 फीसद से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एंटी-सबमरीन सिस्टम को एड किया गया है। इससे नौसैना और अधिक ताकतवर हो जाएगी।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति सुबियांतो के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

– रणनीतिक साझेदारी को मिलेगा नया विस्तार

जकार्ता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय बैठक कर दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती देने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में ऊर्जा, व्यापार, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान वर्ष 2018 में स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा भी की गई। साथ ही रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी समन्वय को मजबूत करने के साथ-साथ नई संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों और एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में जकार्ता स्थित राष्ट्रपति भवन मर्डेका पैलेस में औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने गर्मजोशी से उनका स्वागत करते हुए गले लगाया। समारोह में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी और मंत्री भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में स्थित अतिथि पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए, जहां राष्ट्रपति सुबियांतो भी उनके साथ मौजूद रहे।

इंडोनेशिया दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भारत और इंडोनेशिया के राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े दिखाई दिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनके बीच पहुंचकर हाथ हिलाया, जिससे वहां उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने जकार्ता में मिले विशेष स्वागत का वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए इसे यादगार बताया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो द्वारा स्वयं एयरपोर्ट पहुंचकर किया गया स्वागत उनके लिए बेहद आत्मीय और भावनात्मक अनुभव रहा। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को

और मजबूत करने के लिए सार्थक चर्चा होगी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस दौरे के दौरान प्रम्बानन मंदिर परिसर में संरक्षण एवं पुनर्स्थापन कार्य शुरू करने की घोषणा भी की जा सकती है, जिससे भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई पहचान मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुंठित वैवाहिक जीवन को आमंत्रण है देरी से शादी करना!

पिछले कुछ सालों से शहरी ही नहीं ग्रामीण समाज में भी खासा बदलाव हो गया है। यह बात इसलिए कही जा रही है कि अब किसी इंटर या इंटर पास करने के बाद ग्रेजुएशन कर रही युवती से एक मुखिया या फिर किसी अभिभावक की हैसियत से शादी करने के विषय में बात करने पर अमूमन यही जवाब सुनने को मिलता है कि इतनी जल्दी शादी? अभी मेरी उम्र ही क्या है, मुझे अभी तो पढ़ाई करना है और आगे बढ़ना है। उनका आगे कहना होता है कि आप जैसे लोग ही कभी भी लड़कियों को आगे बढ़ते देखना नहीं चाहते हो! आज की लड़कियां कहाँ से कहाँ जा रही हैं और आपकी मन:स्थिति आज भी वहीं की वहीं है, एकदम रूढ़िवादी यानी ऑर्थोडॉक्स। मौजूदा समय में भी आप जैसे लोगों की प्राथमिकता और लक्ष्य केवल और केवल लड़की की शादी पर ही अटका है। जैसे ही किसी लड़की ने जवानी की दहलीज में कदम रखा नहीं कि उसकी शादी कराने के पीछे लग जाओ। क्या लड़की की शादी कराने के सिवाय और कुछ नहीं रहता है आप लोगों के मन मस्तिष्क में?

ऐसी बातों को सुन-सुनकर आज के पिताओं ने अपनी बेटियों के लालन-पालन में बहुत ही एहतियात बरतना शुरू कर दिया है। अब नए जमाने के पिता हैं तो उन्हें अपनी बेटी से एक शिकायत नहीं सुननी है। यदि बेटी पढ़ना-लिखना चाहती है, आगे बढ़ना चाहती है, इंडिपेंडेंट होना चाहती है तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होती। इसके लिए वे हर हाल में हरसंभव मदद भी करते हैं। स्कूलिंग खत्म होने के बाद पढ़ने के लिए बाहर भेज देते हैं। बाहर रहती है तो पैसा भी भरपूर भेजते हैं कि कहीं कोई कमी नहीं रह जाए। बेटी को जरा सा भी महसूस नहीं होने देते हैं कि उसके माता, पिता पैसे का जुगाड़ किस तरह से कर रहे हैं या फिर यह कि वे अपनी किन इच्छाओं का दमन कर बेटी को दूसरे शहर में सारी सुविधाएं मुहैया करवा रहे हैं। इतना सब करने के बाद भी यदि माता, पिता ने शादी की बात कर दी तो फिर वे सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैं उनके। आज के अभिभावकों के लिए यह जानना जरूरी है कि उनकी बेटी पढ़ाई भी कर रही है या नहीं? कहीं वह किसी के साथ रिलेशनशिप में तो नहीं है, यह जानकारी होना सबसे जरूरी है। मौजूदा समय में लड़कियों को कुछ अचीव हो या न हो, बॉयफ्रेंड होना सबसे बड़ा अचीवमेंट हो गया है। इस मामले में अधिकांश अभिभावकों का तर्क होता है कि उनकी बेटी तो किसी से मिलती, जुलती ही नहीं है, साथ ही वे यह कहते हुए भी मिल जाते हैं कि हमने उसे ऐसे संस्कार दिए हैं कि वह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी, जिससे कोई परेशानी हो। ऐसा कहते हुए ये माता, पिता यह भूल जाते हैं कि आज के समय में इंटरनेट की बदौलत यह जरूरी रहा ही नहीं है कि दोस्ती करने के लिए मिला, जुला जाए या किसी से बातचीत की जाए।

सोचने वाली बात यह है कि भला जवान होती बेटियों को लेकर किसे चिंता नहीं होती या होनी चाहिए? यह बहुत ही सामान्य सी बात मानी जाती रही है कि उम्र बढ़ने के साथ लड़के, लड़की की क्या क्या शारीरिक जरूरतें होती हैं? ऐसी शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए ही पहले विवाह को संस्थागत रूप दिया गया और माता-पिता संस्थागत ढाँचे के तहत ही अपनी संतान की जरूरतों को स्वछंदता प्रदान करना चाहते हैं, लेकिन अब यह गुलामी और पिछड़ेपन की निशानी लगने लगी है, लेकिन वही कार्य अपने तरीके से गैर-सामाजिक होते हुए करते हैं जबकि माता-पिता तुम्हें 'जोड़े' में देखना पसंद करते हैं लेकिन आपको 'कपल्स' (युगल) होने में आजादी महसूस होती है। ऐसा करने की वजह यह बताई जाती है कि लड़का या लड़की अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं, इसलिए अभी शादी नहीं कर रहे हैं। ऐसे करते हुए थोड़ा या बहुत समय गुजरने के बाद लड़का या लड़की मानसिक रूप से इतने परिपक्व हो जाते हैं कि वे अपना जीवन साथी चुनने में जरूरत से ज़्यादा परिपक्व हो जाते हैं। इसकी दो वजह है कि कॉलेज जिंदगी में या नौकरी के समय ये किसी के संपर्क / प्रेम या प्रभाव में आ जाते हैं या फिर आसपास के माहौल से इतने ज़्यादा प्रभावित हो जाते हैं कि उन्हें वैसा ही जीवन साथी चाहिए जैसे उनके विचार में है, लेकिन उम्र बढ़ जाने के कारण तब काफी अड़चन आने लगती है। ऐसे हालत में अमूमन ऐसा कम ही होता है कि संबंध हर तरह से उपयुक्त हो या विचार के अनुसार हो। आज भी अभिभावक कहे या न कहे मगर 80 प्रतिशत से ज्यादा शादियां समझौते पर हो रही हैं और ईश्वर की कृपा से वह फैसला मिलाजुला कर सही निकलता है।

देखा जाए तो आज के समय में अधिकांश लोग अपनी लड़कियों को बहुत सॉफ्ट तरीके से पाल रहे हैं। उनकी हर जायज, नाजायज जिद पूरी कर रहे हैं और उन्हें सेकुलर और स्वच्छंद बना रहे हैं, इसका खामियाजा बाद में उन्हें भुगतना पड़ता है। पहले नाबालिग रहते ही शादी हो जाया करती थी और बाद में गौना होता था। फिर समय के साथ बालिग होने पर शादी होने लगी फिर थोड़ा और आगे बढ़ा तो 22 से 26 के बीच शादी होने लगी मगर अब? आधा जीवन निकल जाता है और लड़के या लड़की मानसिक रूप से परिपक्व हो जाते हैं। ऐसी हालत में वे नए परिवेश या संबंधों को बहुत आराम से स्वीकार नहीं कर रहे, क्योंकि उनकी एक सोच पहले से ही बन चुकी है जिसमें परिवर्तन होना मुश्किल होता है। इसी वजह से लड़ाई, झगड़ा या संतान उत्पत्ति में मेडिकल समस्याएं भी आने लगी हैं, क्योंकि जिस उम्र में शादी करनी चाहिए उस उम्र में नहीं की जाती है। एक उम्र के बाद अपनी पसंद या मेट्रीमोनियल साइट के माध्यम से ब्याह करो और बच्चे पैदा करने के लिए आईवीएफ सेंटर के आगे लाइन लगा के खड़े हो जाओ। इन फर्टिलिटी सेंटर का डेटा देखने पर इस बात को आसानी से समझा जा सकता है कि ये लोग आजादी की कितनी बड़ी कीमत चुका रहे हैं, क्योंकि जो समय बच्चा पैदा करने को होता है, उस उम्र में गर्भ निरोधक पिल्स का सेवन होता है, गर्भपात होता है और बाद में जब शादी होती है, तब तक मातृत्व शक्ति क्षीण हो चुकी होती है। बेटियां सुरक्षित हैं, तभी वह वंश सुरक्षित है, नस्ल सुरक्षित है, आपका धर्म और संस्कृति सुरक्षित है और ये सब चीजें अब समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं। आजकल हर कोई पाश्चात्य सभ्यता की तरह सगाई/ रिंग सेरेमनी करता घूम रहा है। फैशन के नाम पर वधू पक्ष लड़की को गाउन पहना कर नाचता गाता स्टेज पर लाता है। और तो और लड़का स्टेज से जाकर घुटनों पर बैठ फूल देकर प्रोपोज करता है और नाचता है सबके बीच। बाद में उसी वधू की मुंह दिखाई भी होती है, है ना अचरज वाली बात! यह सब करते हुए यह सोच ही नहीं रहे हैं कि हम जा कहाँ रहे हैं। यह कथित आधुनिकता फूहड़पन और नग्नता के सिवा कुछ नहीं है। इसे पैसे और समय की बर्बादी ही कहा जा सकता है। पहले शादी, ब्याह में सब आते थे, लेकिन अब इतने आयोजन हो गए कि कहीं कोई पहुंचता है, तो कहीं कोई।

इस विषय पर सटीक जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न डेटिंग साइट्स पर खोजबीन करने के बाद बड़ी ही हैरान करने वाली भयावह तस्वीर सामने आती है। चूंकि इस तरह की सभी डेटिंग साइट्स पर साइन अप करने के लिए बालिग होना यानी आयु में 18 वर्ष का होना जरूरी और आवश्यक शर्त होता है, इसलिए इन डेटिंग साइट्स पर अधिकांश लड़कियों/युवतियों की आयु 18 वर्ष और उससे अधिक की मिलती है। इन डेटिंग साइट्स पर अपलोड फोटो देखने पर मालूम होता है कि इनमें से कई की उम्र संभवत: 18 वर्ष होती नहीं है, लेकिन फिर भी उन्होंने इन साइट्स पर छद्म नाम से अपनी आईडी बनाई होती है। यहां उन साइट्स की जानकारी देना ठीक नहीं होगा, लेकिन यह बताना ठीक होगा कि किसी लड़के/पुरुष के लॉगिन करने के तुरंत बाद इन साइट्स का उपयोग करने वाली विभिन्न आयु वर्ग की न सिर्फ लड़कियां/युवतियां बल्कि विवाहित महिलाएं उक्त युवक/ पुरुष से यह पूछती हैं कि आप सिंगल हैं या शादीशुदा? आपकी कोई गर्ल फ्रेंड है? आप मेरे दोस्त बनोगे? कुछ अपना व्हाट्स एप नम्बर तक साझा कर देती हैं? आप कोई अन्य सोशल मीडिया उपयोग करते हैं? सात दिन में एक, दो घंटे ऐसी साइट्स पर लॉगिन करने पर करीब साढ़े पांच सौ लड़कियों/युवतियों ने एक अनजान व्यक्ति से दोस्ती करने का प्रयास किया। आज के समय में ऐसे अनेक युवक/ पुरुष इन लड़कियों/युवतियों से इस माध्यम से दोस्ती गांठ लेते हैं और इनका दैहिक शोषण तक कर सकते हैं। दैहिक शोषण के बाद की हालत में इन लड़कियों/युवतियों ने किन परिस्थितियों का सामना किया होगा और इससे छुटकारा पाने के लिए पता नहीं कितने क्लिनिक्स गई होंगी, यह समझना आसान है। ऐसा करते हुए ये अपनी मातृत्व शक्ति को कितना क्षीण करती रही हैं, इसका कोई भान नहीं होता। कुल मिलाकर कहने वाली बात यह है कि ये जब स्वतंत्र और आजाद होने की बात करती हैं, तब उन्हें दरअसल अपना बॉयफ्रेंड चुनने की आजादी या फिर सेक्स की आजादी चाहिए होती है। यदि इसमें कोई रोक-टोक करे तो वह सबसे बड़ा पुरुषवादी मानसिकता का रूढ़िवादी आदमी मान लिया जाता है। इसलिए अब समय रहते विचार करने की जरूरत है कि यह नौटंकी, यह एक्स्ट्रा मॉर्डेनिटी और अर्ध नग्नता क्यों और किसके लिए की जा रही है? और ऐसा करने वाले क्या दे रहे हैं अपनी संतान को? ऐसा करने से अवसाद और एक कुंठित वैवाहिक जीवन ही मिल सकता है!

कुलदीप शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार/ विश्लेषक

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में अब ट्रस्ट को कठोर फैसले लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। निस्संदेह, समय रहते यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चंदा प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कड़ी निगाह रखी होती तो यह बड़ा विवाद न खड़ा होता। शुरुआती दौर में जब मामले की सुगबुगाहट सामने आई तो तभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ऐसे में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। कुछ लोग तो ट्रस्ट को भंग करके नये सिरे से इसके गठन की बात कहते रहे हैं। बहरहाल, इतना तय है कि ट्रस्ट की कारगुजारियों में सबकुछ न तो पारदर्शी था और न ही सब कुछ नियम अनुसार ही चला। कहा जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों के पास जरूरत से ज्यादा अधिकार थे, जिसके चलते अन्य सदस्य उदासीन बने रहे। यही वजह है कि कुछ लोग एसआईटी से इतर एक उच्च स्तरीय जांच की मांग इस मामले में करते रहे हैं। निस्संदेह, बहुचर्चित चढ़ावा चोरी प्रकरण की गूंज पूरी दुनिया में हुई है, जिसने संघ,भाजपा, केंद्र सरकार व प्रदेश की सरकार को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है।

जींद से देश को मिलेगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

- हरित परिवहन की दिशा में भारत की ऐतिहासिक छलांग

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। भारत अब जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश बन जायेगा जिसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हरियाणा के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह केवल एक नई रेल सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि भारत के हरित भविष्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक भी है। हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के साथ भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिन्होंने स्वच्छ ईंधन आधारित रेल परिवहन को अपनाया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस और स्वीडन जैसे विकसित देशों के बाद भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाला आठवां देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन?

हाइड्रोजन ट्रेन ऐसी रेलगाड़ी होती है जो डीजल के स्थान पर हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करती है। इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल और भविष्य की परिवहन प्रणाली माना जा रहा है।

विश्व भर में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए हाइड्रोजन ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेलवे भी वर्ष 2030 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ट्रेनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में तैयार किए गए हैं। इस परियोजना का सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है, जिससे इसके सुरक्षित और प्रभावी संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ कम शोर उत्पन्न करती है। इसके संचालन से ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हरियाणा के विकास को मिलेगा नया आयाम

जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन का निर्णय हरियाणा के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इससे प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक और तकनीकी पहचान को नई मजबूती मिलेगी। रेलवे अवसंरचना के विकास से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

हरियाणा पहले से ही ऑटोमोबाइल, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली के जुडने़ से राज्य आधुनिक तकनीक और हरित विकास का केंद्र बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वर्तमान समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। परिवहन क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में हाइड्रोजन आधारित रेल सेवाएं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेनें न केवल वायु प्रदूषण को कम करेंगी, बल्कि ध्वनि प्रदूषण में भी कमी लाएंगी। इनके व्यापक उपयोग से जीवाश्म ईंधनों की खपत घटेगी और ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा

हाइड्रोजन ट्रेन का सफल संचालन भारत की तकनीकी क्षमता और अनुसंधान कौशल का परिचायक है। आज भारत केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और आधुनिक समाधानों का निर्माता भी बनकर उभर रहा है। सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के बाद हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारत की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोडने़ जा रही है।

यह पहल विश्व समुदाय को भी यह संदेश देती है कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है।जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारतीय रेलवे के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत विकास के भारत के संकल्प का प्रतीक है। आने वाले समय में यदि हाइड्रोजन तकनीक का विस्तार व्यापक स्तर पर होता है, तो भारत न केवल परिवहन क्षेत्र में क्रांति ला सकेगा, बल्कि वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। 17 जुलाई का दिन भारतीय रेलवे और हरियाणा दोनों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वत- ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विचार मंथन

यह प्राकृतिक कम, मानवजनित आपदा ज्यादा

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

दुनियां के विभिन्न देशों में लगातार आ रहे भूकंप के झटके दरअसल जतला रहे हैं कि पृथ्वी के अंदर कुछ ऐसा चल रहा है जिसकी भनक मानव को नहीं है। कहने को विज्ञान ने अत्याधुनिक युग के लिहाज से खूब तरक्की कर ली है, लेकिन आज भी कोई ऐसा यंत्र विकसित नहीं हो सका है जो यह बतला दे कि किस समय कहां भूकंप आएगा या आने वाला है। कुछ इसी तरह वर्षा को लेकर मौसम विभाग आंकलन करता है और अनुमान जाहिर करता है, लेकिन बारिश वाले बादल कब कहां पहुंचेंगे और कितनी बारिश करेंगे परफेक्ट आंकड़े नहीं बतलाए जा सकते हैं। कभी अनुमान सही निकल जाता है तो कभी गलत साबित होता है। यह सभी जानते हैं कि जिस प्रकृति के साथ मानव रह रहा है जब वह उसे अपने मन-माफिक बदलना चाहता है तो प्रकृति खुद अपना बैलेंस करने को मजबूर हो जाती है, जिसका खामियाजा सभी को भुगतना होता है। बहरहाल यहां हम बात मानसून की कर रहे हैं, जिस पर खेती-किसानी से लेकर जीव-जंतुओं का जीवन निर्भर है। इसलिए मानसून को भारत की जीवनरेखा कहा गया है। कृषि, जल संसाधन और पर्यावरण का संतुलन काफी हद तक इसी पर निर्भर करता है। लेकिन जब यही बारिश कुछ ही घंटों में शहरों को ठप कर दे, जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाए, परिवहन व्यवस्था ध्वस्त हो जाए, लोगों की जान चली जाए और हजारों करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो जाएं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इसके लिए केवल प्रकृति जिम्मेदार है? मुंबई और गुजरात के ताजा हालात इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट रूप से देते हैं कि यह संकट केवल प्राकृतिजन्य नहीं, बल्कि बड़ी तादाद में मानवजनित भी है।

मुंबई में चार दिनों के भीतर जुलाई महीने की औसत वर्षा का लगभग 90 प्रतिशत पानी बरस गया। इसके परिणामस्वरूप रेल, सड़क और हवाई सेवाएं प्रभावित हो गईं। पिछले कुछ दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की जान चली गई और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रशासन को निजी कंपनियों को वर्क फॉम होम की सलाह देनी पड़ी, गैर-जरूरी कार्यालयों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी और लोगों से घरों में रहने की अपील करनी पड़ी। दूसरी ओर गुजरात के सूरत, वडोदरा, वापी, नवसारी और अन्य शहरों में सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं। जलभराव के कारण स्कूल बंद करने पड़े और सामान्य जीवन पूरी तरह बाधित हो गया। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के कारण अत्याधिक वर्षा की घटनाएं पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। कम समय में अत्याधिक बारिश दर्ज होना अब सामान्य बात होती जा रही है। लेकिन यदि केवल बारिश ही कारण होती, तो हर वर्ष लगभग वही शहर एक जैसी समस्याओं का सामना क्यों करते? इसका उत्तर हमारी विकास नीति और शहरी नियोजन की गंभीर कमियों में छिपा है। देश के अधिकांश महानगरों में प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को या तो समाप्त कर दिया गया है या उस पर अतिक्रमण हो चुका है। नदियों, नालों, झीलों और आर्द्रभूमियों को पाटकर इमारतें, सड़कें और व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए। हरे-भरे पेड़-पौधों और कच्चे मैदानों की जगह कंक्रीट के बढ़ते जंगलों ने वर्षा जल के जमीन में समाने की क्षमता को लगभग समाप्त कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ नालों की नियमित सफाई नहीं होती, ड्रेनेज व्यवस्था पुरानी पड़ चुकी है और शहरों का विस्तार बिना वैज्ञानिक योजना के होता रहा है। परिणामस्वरूप कुछ घंटों की तेज बारिश भी पूरे शहर को जलमग्न कर देती है। मुंबई वाकई इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, लेकिन देश के अधिकांश प्रमुख शहरों में हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की तैयारियों के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही भारी बारिश इन दावों की पोल खोल देती है। हद यह है कि पहली ही बारिश में रेलवे ट्रैक डूब जाते हैं, सड़कों पर कई-कई फुट पानी भर जाता है, भूस्खलन से राजमार्ग बंद हो जाते हैं और हवाई सेवाएं प्रभावित होती हैं। यही स्थिति अब गुजरात के अनेक शहरों में भी दिखाई दे रही है, जहां शहरीकरण की तेज रफ्तार ने प्राकृतिक जल प्रवाह के रास्तों को बाधित कर दिया है।

यह भी चिंताजनक है कि जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर शहरों की आधारभूत संरचना विकसित नहीं की जा रही। आज भी अधिकांश नगरों की जल निकासी व्यवस्था दशकों पुराने मानकों पर आधारित है, जबकि वर्षा का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप क्लाइमेट रेजिलिएंट यानी जलवायु-अनुकूल शहरों की अवधारणा को व्यवहार में उतारना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। समाधान केवल राहत और बचाव कार्यों तक सीमित नहीं होना चाहिए।

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

खाताधारक पासबुक-दावे को लेकर परेशान, उमंग ऐप से ही बनेगा नया यूएएन

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लॉगिन करने और कुछ ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब नया यूएएन जनरेट या एक्टिवेट केवल उमंग ऐप के माध्यम से ही किया जा सकेगा, जिसके लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। ईपीएफओ का कहना है कि यह कदम सुरक्षा को मजबूत करेगा और फर्जी गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा। सदस्य अब वेबसाइट से यूएएन जनरेट नहीं कर पाएंगे।

माइक्रोसॉफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर

लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई ।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबॉक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबॉक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबॉक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट की अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह छंटनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए की जा रही है और इन नौकरियों की जगह कृत्रिम मेधा (एआई) नहीं ले रही है। कुल 4,800 कर्मचारियों को कारोबार पुनर्गठन और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से हटाया जा रहा है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएस- सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी

सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस इश्यू के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे।

सरकार लाएगी सहकारी जीवन बीमा और भारत टैक्सी जैसा एग्रीगेटर

मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी और 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर एक सहकारी यूटिलिटी एग्रीगेटर को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे सहकारी क्षेत्र का विस्तार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि इफ्को-टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, जो इफ्को और जापान के टोक्यो मरीन ग्रुप का संयुक्त उद्यम है, यह नई जीवन बीमा कंपनी बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाएगी। वर्तमान में भारत में लगभग 26 जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं। सूत्रों के अनुसार, सहकारी बीमा कंपनी की योजना अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसमें मौजूदा सहकारी समितियां ही प्रारंभिक प्रवर्तक हो सकती हैं। बाद में कुछ अन्य भागीदार भी शामिल किए जा सकते हैं। इसका ढांचा बीज, जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने वाली तीन नवगठित बहु-राज्य सहकारी समितियों के समान होगा, जिन्हें अमूल और एनडीडीबी जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं ने मिलकर बनाया है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के फाइनैंशियल सर्विसेज रिस्क लीडर विवेक अय्यर ने इस पहल को सहकारिता मंत्रालय के वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्य से जोड़ते हुए इसे जीवन बीमा तक सहकारी दृष्टिकोण का विस्तार बताया।

रुपये में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 15 पैसे सुधरा

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के मद्देनजर सऊदी अरब के अगस्त के लिए एशिया को कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में कटौती किए जाने की खबरों से बाजार धारणा बेहतर हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.33 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.86 पर रहा।

सेबी ने खुले बाजार से शेयर बायबैक की व्यवस्था फिर से की शुरू

1 अगस्त से प्रभावी नियम; 66 कार्य दिवस में बायबैक पूरा, पूंजीगत लाभ पर लगेगा कर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों को शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में अपने शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) करने की अनुमति को बहाल कर दिया है। यह व्यवस्था 1 अगस्त से प्रभावी होगी, जिसका उद्देश्य कंपनियों के लिए पूंजी आवंटन को सुगम बनाना और शेयरधारकों को अतिरिक्त नकदी लौटाने का एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराना है। सेबी ने 2025 में असमान व्यवहार और कर संबंधी चिंताओं के कारण इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था।

अब इसे सुगमता और क्रियान्वयन दक्षता बढ़ाने के लिए फिर से लाया गया है। नई अधिसूचना के तहत, कंपनियां 1 अगस्त से नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से बायबैक कर सकेंगी; अलग पुनर्खरीद खिड़की की आवश्यकता नहीं होगी। प्रक्रिया अधिकतम 66 कार्य दिवस में पूरी करनी होगी। यह कदम कंपनियों को अतिरिक्त नकदी लौटाने और बाजार में कमजोरी में शेयर कीमतों को सहारा देने में मदद करेगा। बायबैक कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति अब वैकल्पिक है, जिससे लागत कम होगी। कर ढांचे में बदलाव करते हुए, सार्वजनिक शेयरधारकों पर उनके वास्तविक पूंजीगत लाभ के आधार पर कर लगेगा, जिससे पहले की कर संबंधी असमानता समाप्त होगी। प्रवर्तकों के शेयर पुनर्खरीद अवधि के दौरान स्थिर रहेंगे, और कंपनियों को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) नियमों का उल्लंघन नहीं करना होगा।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी

– फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली ।

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स

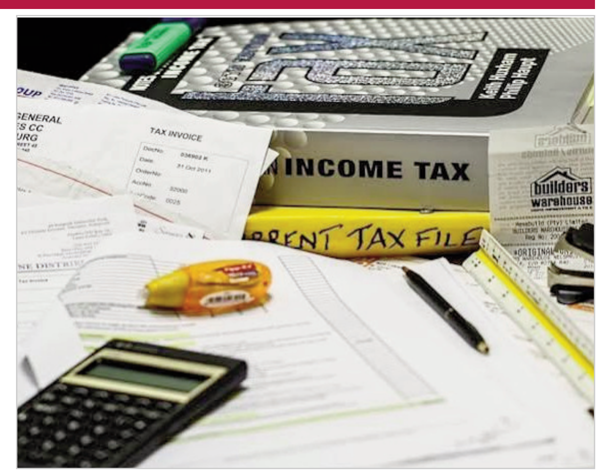

क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। वहीं, यदि धारा 143(1) के तहत सूचना जारी हो चुकी है, तो ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से सुधार का अनुरोध किया जा सकता है। समय रहते इन त्रुटियों को ठीक करने से नोटिस, रिफंड में देरी और अतिरिक्त कर देनदारी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट

धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई ।

बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है।

असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत-

1. रोशनी में 100 दिखेगा- नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर '100' का अंक दिखाई देता है।

2. देवनागरी में मूल्य- असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी '100' अंकित होता है।

3. अशोक स्तंभ- नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है।

4. गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक- आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है।

5. नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर- नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फॉन्ट में छपा होता है।

6. ऊपर बाईं ओर भी नंबर- ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है।

7. महात्मा गांधी का चित्र- नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है।

इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

बॉन्ड में विदेशी निवेशकों का बढ़ा भरोसा

शेयर बाजार से निकाल रहे हैं विदेशी निवेशक पैसा

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुख भारतीय बाजार में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है। एक ओर विदेशी निवेशकों ने जून के दौरान भारतीय सरकारी बॉन्ड में रिकॉर्ड 41,773 करोड़ रुपये का निवेश किया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक फिलहाल सतर्क रणनीति अपना रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय सरकारी बॉन्ड का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा पूंजीगत लाभ और ब्याज आय पर कर संबंधी राहत, निवेश नियमों में ढील तथा भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने से विदेशी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इससे आने वाले समय में वैश्विक पैसिव फंडों से भी भारत में बड़े निवेश की संभावना जताई जा रही है।हालांकि, शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके बावजूद विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद और बॉन्ड बाजार में बढ़ती भागीदारी देश के वित्तीय बाजारों के लिए सकारात्मक संकेत है।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ का प्री-आईपीओ निवेश

नई दिल्ली ।

निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की करमतारा इंजीनियरिंग में उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को इस निवेश की जानकारी दी। यह निवेश करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए मार्ग प्रशस्त करने और उसकी विकास योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात प्रोफाइल और फास्टनर सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने बताया कि छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के

निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए गए हैं, जिससे 75 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आईपीओ-पूर्व निवेश के बाद, सेबी के नियमों के अनुरूप प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने का आकार समान राशि से घटा दिया जाएगा।

भारत के दो एयरपोर्ट बने दुनिया के सबसे खूबसूरत, ग्लोबल सूची में मिली जगह

पेरिस।

पेरिस से जारी प्रिक्स वर्साय अवार्ड्स ने साल 2026 के लिए दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट की सूची जारी की है। यह भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इस प्रतिष्ठित सूची में देश के दो एयरपोर्ट को स्थान मिला है। बीते महीने जून में घोषित किए, इन अवार्ड्स में दुनिया भर के कुल 7 एयरपोर्ट को शामिल किया है, जिन्हें उनके आधुनिक डिजाइन, स्थिरता, क्षेत्रीय पहचान और यात्रियों को प्रदान होने वाली बेहतरीन अनुभव के आधार पर चुना गया है।

1.चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट

इस सूची में शीर्ष स्थान पर चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 रहा। ग्वांगझू, जिसे चीन का फूलों का शहर कहा जाता है, उसके नए टर्मिनल को बादल, पानी और फूलों से प्रेरित घुमावदार आकृतियों, छतों, बगीचों और रोशनी से भरे खुले हिस्सों के साथ बनाया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी परिवहन इमारतों में से एक है और इसकी खास बात चीन का सबसे ऊंचा खुला सार्वजनिक अवलोकन डेक है।

2. जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा। इस टर्मिनल को सड़कों, प्लाजा और आस-पड़ोस के चौराहों की तरह डिजाइन किया गया है, जिसका ज्यादातर हिस्सा मॉड्यूलर है।

3. गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2

भारत के लिए गौरव की बात यह है कि असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 ने दुनिया के तीसरे सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट के रूप में पहचान बनाई है।

सिटीमॉल की नई रणनीति कीमत से जीतेगी ई-कॉमर्स की अगली जंग

गुरुग्राम की स्टार्टअप छोटे शहरों के निम्न-मध्यम वर्ग पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम की किराना क्षेत्र की स्टार्टअप सिटीमॉल इस बात पर दांव लगा रही है कि भारत में ई-कॉमर्स की अगली लहर कीमत से जीती जाएगी, न कि गति से। यह ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी त्वरित-कॉमर्स रणनीतियों को सीधी चुनौती है। कंपनी ने छोटे शहरों में निम्न-मध्य वर्ग के परिवारों के लिए कम लागत वाला, समुदाय-संचालित डिलिवरी नेटवर्क बनाया है, जिसे सीईओ अंगद किकला अगले 20 करोड़ परिवार कहते हैं। किकला का तर्क है कि बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने इन परिवारों को अनदेखा किया है। उनकी रणनीति तेज डिलिवरी के बजाय कीमत को प्राथमिकता देने वाले खरीदारों को जोड़ना है, जो 2030 तक भारत के ई-कॉमर्स बाजार को 60 अरब डॉलर से 250-300 अरब डॉलर तक ले जा सकता है। 2019 में अंगद किकला, नयशील वर्धन और राहुल गिल द्वारा स्थापित सिटीमॉल ने ऐक्सेल जैसे निवेशकों से 16.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए हैं। कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी सिटीमॉल अगले वित्त वर्ष में 1,600 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रही है। किकला को उम्मीद है कि अगले कई सालों तक सालाना 50 से 60 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि बनी रहेगी, क्योंकि वे सबसे बड़े ग्राहक वर्ग, यानी निम्न-मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत का ऑफिस बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर, दूसरी तिमाही में 2.46 करोड़ वर्गफुट की लीजिंग

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दूसरी तिमाही में 18 फीसदी की वृद्धि

मुंबई ।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही भारतीय ऑफिस बाजार के लिए ऐतिहासिक रही, जिसने अब तक का सबसे जोरदार प्रदर्शन दर्ज किया। एक रियल एस्टेट सेवा कंपनी के अनुसार, इस अवधि में कुल लीजिंग लगभग 2.46 करोड़ वर्ग फुट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, तिमाही के दौरान लीजिंग में पिछली तिमाही के मुकाबले 18 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपूर्ति भी 91 प्रतिशत बढ़कर तेजी से बढ़ी। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने मांग में 42 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1.03 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग दर्ज की, जबकि फ्लेक्सिबल स्पेस परिचालकों की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही।

सीबीआरई के एक अधिकारी के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का परिदृश्य अच्छा है। हालांकि, रेडी-टू-मूव जगह की कमी बड़ी चुनौती है, जिससे निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए प्री-कमिटमेंट बढ़ रहे हैं। साल 2026 की पहली छमाही में कुल 4.55 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग हुई, जो किसी भी छमाही में सर्वाधिक है। इस दौरान आपूर्ति भी 3.2 करोड़ वर्ग फुट रही। फ्लेक्स, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा (बीएफएसआई) कंपनियों ने मिलकर दूसरी तिमाही की लीजिंग में लगभग 62 प्रतिशत हिस्सेदारी निभाई। पहली छमाही में जीसीसी की कुल मांग में हिस्सेदारी 43 प्रतिशत रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उप्र में जन्मे विनायक शुक्ला बने ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान

मस्कट। ओमान क्रिकेट ने भारतीय मूल के विकेटकीपर-बल्लेबाज विनायक शुक्ला को पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम के उप-कप्तान रहे शुक्ला ने जतिंदर सिंह की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओमान की कमान संभाली थी। ओमान क्रिकेट ने विनायक शुक्ला को कप्तान इसलिए चुना है, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम भूमिका निभाई है। ओमान क्रिकेट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए कप्तान की घोषणा करते हुए कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। ओमान क्रिकेट गर्व के साथ विनायक शुक्ला को ओमान पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान घोषित करता है।' पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम योगदान देने के बाद, 32 वर्षीय विनायक अब राष्ट्रीय टीम को अगले अध्याय में ले जाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

18 जून 1994 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे विनायक शुक्ला अपने कोच की सलाह पर बेहतर अवसरों की तलाश में साल 2021 में ओमान चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए 'नेशनल मेटल कैंस' में डेटा ऑपरेटर की नौकरी की। इसके साथ ही क्रिकेट खेलना भी जारी रखा।

विनायक ने 14 दिसंबर 2024 को टी20 मैच के साथ ओमान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। इसके बाद 10 फरवरी 2025 को एशिया कप में नामीबिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। विनायक शुक्ला ओमान के पसंदीदा विकेटकीपर बने, उन्होंने खास तौर पर टी20 क्रिकेट में मिडिल ऑर्डर से तेजी से रन बनाकर प्रभावित किया है। विनायक शुक्ला ने अपने करियर में 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 26 की औसत के साथ 312 रन बनाए। वहीं, 23 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 2 अर्धशतकों के साथ 447 रन निकले। विनायक 15 लिस्ट-ए मुकाबलों में 312 रन जोड़ चुके हैं।

विंबलडन

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

लंदन। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे

खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी।

टी20 सीरीज: जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

वैभव-रिंकू को मौका

● सैमसन बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

यूथ हॉकी : 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है।

पहला वनडे: 'लो स्कोरिंग' मैच में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया

सीरीज में 1-0 से लीड

हरारे। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 25 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हरारे में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम महज 36.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 36 के स्कोर पर बेन करन (18) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर ब्रायन बेनेट (17) भी चलते बने। 7 ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहां से रिचर्ड नगारवा ने न्यूमैन न्याम्हुरी के साथ 9वें विकेट के लिए 81 गेंदों में 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा

दिया। न्यूमैन न्याम्हुरी ने 5 चौकों के साथ 33 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान रिचर्ड नगारवा ने 27 रन जुटाए। इनके अलावा, इनोसेंट काइया ने 26 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने 10 ओवरों में 21 रन देकर 6 विकेट निकाले। इनके अलावा, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मेहदी हसन के हाथ लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम 33.1 ओवरों में 116 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 17 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से तौहीद हिरदॉय ने नुरुल हसन के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखर गई।

फीफा वर्ल्ड कप: इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा।

● रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना ??है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रीत एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको में अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।'

यूथ वनडे: श्रीलंका के खिलाफ 'द्रविड़' ने जड़े 87 रन

हम्बनटोटा। भारत के महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत अंडर-19 टीम की तरफ से खेलते हुए सोमवार को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे मैच में 87 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 67 गेंदों की इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके लगाए, लेकिन टीम मैच गंवा बैठी। सोमवार को महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अन्वय द्रविड़ की इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 285 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन श्रीलंका ने इस मैच को 8 विकेट शेष रहते अपने नाम कर लिया। भारतीय

● विशाल स्कोर के बावजूद भारत की हार

टीम ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था, लेकिन अब तीन मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का अंतिम मैच 9 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद 13 जुलाई से दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हम्बनटोटा में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 47.2 ओवरों में 285 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने 11 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने वीके विनीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों में 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। विनीत 45 गेंदों में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अन्वय द्रविड़ बल्लेबाजी के लिए उतरे और अर्जुन राजपूत के साथ पांचवें विकेट के लिए 126 गेंदों में 144 रन जुटाए। अर्जुन 81 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अन्वय ने 87 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि कविजा गमागे ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट सेथमिका सेनेविरात्ने के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 48 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 25 के स्कोर पर दुलनिथ सिगेरा (14) के रूप में शुरुआती झटका लग गया था। इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने सेनुजा वेकुनागोडा के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करते हुए जीत की नींव रख दी।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं ! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलीमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

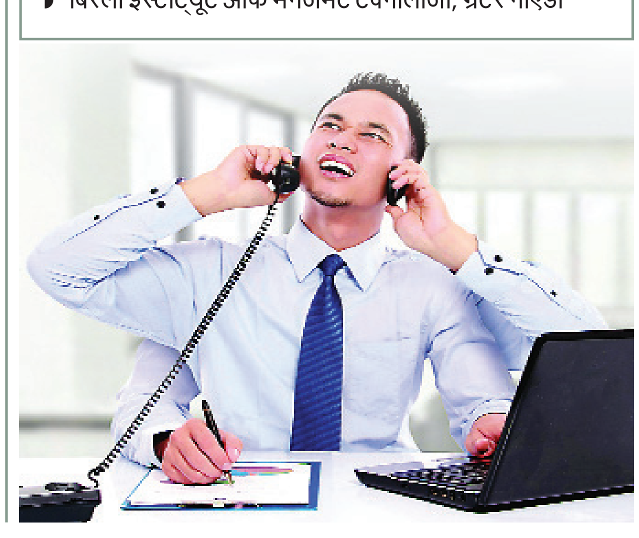

दरभंगा में बम विस्फोट चंचल नगर में दो युवक गंभीर घायल, क्षेत्र में दहशत

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के चंचल नगर में मंगलवार को एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायलों की पहचान लक्ष्मी पासवान के पुत्र रामबाबू पासवान और कमलेश पासवान के पुत्र श्रीकांत पासवान के रूप में हुई है। लोगों की मदद से उन्हें तत्काल दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पतोर थाना सहित कई अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि विस्फोट किस परिस्थिति में हुआ और बम वहां कैसे पहुंचा। फिलहाल, पुलिस की ओर से विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रारंभिक जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे चंचल नगर इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग विस्फोट की आवाज से सहम गए हैं। पतोर थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फोरलेन के बीच आया सालों पुराना पेड़, लोगों ने किया विरोध तो डिजाइन बदला

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के मेहता रोड फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल कायम की गई है। यहां गिल गांव के पास हाईवे निर्माण में आ रहे करीब 300 साल पुराने पीपल के पेड़ को काटने की योजना थी लेकिन गांव वाले गुरजंट सिंह, सुखबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह जोहल समेत अन्य ने इसका विरोध किया, जिसके बाद एनएचएआई ने सड़क का डिजाइन बदल दिया। पेड़ के आसपास की जगह को भी संरक्षित कर दिया। वहीं डीएफओ ने बताया कि यह पीपल का पेड़ करीब 300 साल पुराना है जो बेहद सुंदर और घनी छाया देता है। उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे संरक्षित रखने के फैसले की सराहना की। यह उदाहरण दिखाता है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी संभव है, बशर्ते सब मिलकर कोशिश करें।

दर्दनाक हादसा : कुएं में गिरे 13 हिरण और एक कुत्ता, सभी की मौत

भोपाल (एजेंसी)। शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक खेत के कुएं से तेरह हिरणों और एक आवारा कुत्ते के शव बरामद हुए हैं। खेत मालिक कृष्णाबाई पाटीदार के परिजनों को कुएं से तेज दुर्गंध आने पर यह भयावह दृश्य दिखा। शव बुरी तरह सड़े-गले होने के कारण आशंका है कि यह घटना कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होने के कारण नायब तहसीलदार की देखरेख में सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि हिरणों का झुंड किसी आवारा कुत्ते से बचने के दौरान तेजी से भागा और कुएं में जा गिरा। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी शायद उनके साथ ही कुएं में गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं की मुंडेर (सुरक्षा दीवार) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त था, संभवत: उसी टूटे हिस्से से ये हिरण गिरे। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। कुछ समय पहले ही यहां से बोमा पद्धति द्वारा सैकड़ों हिरणों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया था। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और कुओं की उचित मुंडेर जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को रेखांकित करती है। वन विभाग ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी ने पहले छत से दिया धक्का, बच गया तो ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर कर दिया इंजेक्ट

-पुलिस को किया गुमराह, पोस्टमार्टम में खुला राज, महिला, प्रेमी व दोस्त गिरफ्तार

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला नर्स ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नर्स संध्या (32), उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें विवाद होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में वह छत से गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का दावा है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया था। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर शक हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है।

करूर हादसे में पीड़ितों को मुआवजा देने से रोकने की डीएमके की याचिका खारिज

हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे, कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में रैली में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सीएम विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने की बात कही है, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी सीएम की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं। अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने याचिका दाखिल कर कहा था कि पिछले साल टीवीके की रैली में हुए हादसे की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीएम विजय 41 लोगों की मौत वाले इस हादसे के पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं। डीएमके ने इसका विरोध किया था।

बता दें पिछले साल सितंबर में टीवीके की करूर में एक रैली की थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच मद्रास हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को सौंपी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई के हाथों में दे दी थी। खास बात यह है कि जांच की निगरानी कोर्ट एक कमेटी भी कर रही है। सीएम विजय पीड़ित परिवारों से मिलने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में गैर मुस्लिम से निकाह करने लेनी होगी वक्फ बोर्ड से अनुमति

-अंतर-धार्मिक निकाह प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने नई व्यवस्था लागू

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अंतर-धार्मिक निकाह की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में प्रभावी होंगे। इसके तहत यदि कोई मुस्लिम युवती या युवक किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना जरुरी होगा। अनुमति के लिए दोनों पक्षों की सहमति, पहचान संबंधी दस्तावेज, आवश्यक होने पर मतांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य कानूनी औपचारिकताओं की जांच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही निकाह की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के सभी निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं का पंजीयन भी अनिवार्य करने का फैसला लिया है। केवल पंजीकृत मौलाना ही निकाह पढ़ा सकेंगे। बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर निकाह कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने बताया कि वर्तमान में कई स्थानों पर निकाह का कोई केंद्रीय रिकॉर्ड नहीं होने से भविष्य में पहचान, वैवाहिक स्थिति और दस्तावेज से जुड़े विवाद सामने आते हैं। नई व्यवस्था के तहत हर निकाह का रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा और एक समान प्रारूप में निकाहनामा और प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि यह व्यवस्था किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि निकाह प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी बनाने, फर्जी दस्तावेज, विवादित निकाह और शिकायतों की निगरानी के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कांग्रेस बाद में रोना मत: ओवैसी ने जताई एनआरसी लागू होने की आशंका

-एसआईआर पर सवाल उठाते हुए बोले- अमित शाह कच्चा काम नहीं करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बाद में शिकायत करने का कोई लाभ नहीं होगा।

वकीलों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिना योजना के कोई कदम नहीं उठाते। उन्होंने कहा, अमित शाह कच्चा काम नहीं करते, वे हर कदम एक तय कार्यक्रम के तहत उठाते हैं। मुझे संदेह है कि आखिरकार सरकार एनआरसी लागू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसांख्यिकी की जांच के लिए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय आयोग भी इसी दिशा का संकेत हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनकी आशंका गलत भी साबित हो सकती है।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से स्थायी निवास प्रमाणपत्र (परमानेंट रेसिडेंट सर्टिफिकेट) जारी करने और इसके लिए स्पष्ट मानक तय करने की मांग की। उनका कहना था कि सरकार को समय रहते रचनात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि गरीबों के नाम मतदाता सूची से कटते हैं तो बाद में रोने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को समय रहते इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग फिलहाल तेलंगाना सहित 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चला रहा है। ओवैसी का कहना है कि यदि इस प्रक्रिया में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो भविष्य में उन्हें नागरिकता संबंधी अन्य प्रक्रियाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, एनआरसी को लेकर विपक्षी दल पहले से ही केंद्र सरकार के रुख का विरोध करते रहे हैं।

देशभर में मानसून का कहर...टैंकर-गाडियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई मलबे में दबे; पहाड़ से गिरे पत्थर और मिट्टी से घर-दुकानें बर्बाद हुईं

वायनाड में लैंडस्लाइड, 4 की मौत, डोडा में बादल फटने से बाढ़

वायनाड/जम्मू/भोपाल (एजेंसी)। मानसून देशभर में पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मानसूनी बारिश से कई राज्यों और शहरों में स्थिति चिंताजनक हो गई है। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सडक़ों पर कई गाडियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया।

वायनाड में हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। मलबा हटाने के लिए छ्ष्टक्क मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था।

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेज नेपाल जाने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम के सहयोग से यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है। महिला पर बिना वैध यात्रा एवं आव्रजन दस्तावेज के भारत में रहने और हरपुर बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां उससे गहन पूछताछ कर रही हैं और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्र में एक विदेशी महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। इसके अलावा इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से जुड़े मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बिना वैध दस्तावेज के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस, एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

राम मंदिर विवाद: मायावती का विपक्ष को चैलेंज, सबूत दो, वरना ये सिर्फ चुनावी दिखावा है

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है। 7 जनवरी, 2026 को X पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा।

उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा SIT को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि साथ ही, SP, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां (श्री राम मंदिर में) चढ़ावे की भारी चोरी और गबन के जो दावे किए हैं, उनके बारे में उनसे ठोस सबूत भी मांगे जाने चाहिए, ताकि कोई चोर या गबन करने वाला बच न सके; वरना, इसे सिर्फ़ राजनीतिक दिखावा माना जाएगा—यानी सच्ची श्रद्धा नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव लड़ना चाहती हैं—आम चर्चा यही है।

राम मंदिर दान में गबन का विवाद उत्तर प्रदेश के बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य सरकार की आलोचना की है और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती जांच में काउंटिंग रूम में सुरक्षा में गंभीर चूक और कुछ कर्मचारियों द्वारा कैश को व्यवस्थित तरीके से छिपाने का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल से 5 जून के बीच देखे गए CCTV फुटेज में कर्मचारियों द्वारा कैश के बंडल छिपाने की लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एनआईए कोर्ट ने सुनाई सज़ा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले 15 व्यक्तियों को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने कड़ा दंड सुनाया है। लखनऊ स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने इन सभी 15 दोषियों को 5-5 साल की कठोर कैद की सजा दी है। ये सभी दोषी बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम बताए जा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 28-28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें महफूजुर रहमान, अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक, जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम, राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद, मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं।

ये सभी व्यक्ति बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने अदालत को अपनी जांच में बताया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील सहित कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे थे। एटीएस ने खुलासा किया कि यह गिरोह एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था, जो बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराता था। इतना ही नहीं, यह गिरोह घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा रहा था। एटीएस ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि कई बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाए गए थे, और मानव तस्करी के माध्यम से उन्हें भारत से कई अन्य देशों में भी भेजा गया था। यह मामला मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। इस गिरोह के सदस्यों को अक्टूबर 2021 में एटीएस ने देश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई से भारत में अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट पर कड़ी चोट पड़ी है। एनआईए कोर्ट का यह फैसला उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो भारत की सीमाओं का उल्लंघन करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करते हैं। यह फैसला अवैध घुसपैठ के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को रोकने में मदद करेगा। इस तरह की गतिविधियां न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों पर भी अनावश्यक बोझ डालती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा बनी रहे, इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

केजरीवाल ने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प से मांगा लिखित आश्वासन

-ई20 पेट्रोल से गाड़ियां होंगी खराब तो कंपनियां करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाडियों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाड़ियों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसदी से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

30 करोड़ वाहनों को खतरे में डाल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना तैयारी के पूरे देश पर ई20 पेट्रोल थोप रही है, जिससे 30 करोड़ वाहन प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि कई ऑटो कंपनियों के ओनर मैनुअल में ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति नहीं दी गई है, जबकि कंपनियां सरकार के दबाव में अलग बयान दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई0, ई10 और ई20 तीनों विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल चुन सकें।

सरकार जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार लगातार इसे लागू करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को समझाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है और ऑटो कंपनियों से भी ई20 के पक्ष में बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को छह प्रमुख ऑटो कंपनियों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कराई गई, जहां ई20 पेट्रोल को सुरक्षित बताया गया।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की.' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ्तों तक बढ़ते तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि क्षेत्र में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रही है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका : रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस की इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समजौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोनः यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे S-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग हैः दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधः इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है।रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्तीः व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। रक्षा क्षेत्र पर महा-फोकसः राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने वहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोता द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहाकि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहाकि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजराइल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजराइल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहाकि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहाकि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'देखिए, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ करार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहाकि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचारः हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी : पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज़्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी है., जो क्रेमलिन का एक मुख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रियों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनता बारिश में डूबी, नेता काजू कतली से मुंह मीठा करते रहे

मूसलाधार बारिश से लोग बेहाल, SMC के पार्षदों ने पदभार ग्रहण समारोह में ढोकला, खमन और इडली-सांभर का लिया आनंद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। पिछले 24 घंटों से सूरत शहर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। करीब 11 इंच बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में, जब जनप्रतिनिधियों से राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रहने की अपेक्षा थी, उसी दौरान सूरत महानगरपालिका (स्मृ) के पार्षद और नेता नई सरकारी गाड़ियां, आलीशान कार्यालय और विभिन्न समितियों के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने के समारोह में व्यस्त नजर आए। इस दौरान उनके लिए विशेष नाश्ते और मिठाइयों की भी व्यवस्था की गई, जिस पर लोगों ने सवाल उठाए हैं।

मौसम विभाग द्वारा सूरत के लिए रेड अलर्ट जारी किए जाने के बाद स्कूल, कॉलेज, मुख्य बाजार, दुकानें और अधिकांश व्यापारिक गतिविधियां बंद रहीं। शहर के कई निचले इलाकों में कहीं घुटनों तक तो कहीं कमर तक पानी भर गया। सड़कों के नदी जैसी स्थिति में बदल जाने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और लोग अपने घरों में ही रहने को मजबूर हो गए।

इसी बीच, नगर निगम के 12 विभिन्न समितियों के अध्यक्षों के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन होने पर लोगों ने सवाल उठाए कि आपदा की घड़ी में जनप्रतिनिधियों को राहत कार्यों में जुटना चाहिए था।

आपदा के बीच पदभार ग्रहण समारोह पर उठे सवाल

लोगों का कहना है कि जब शहर के कई हिस्सों में लोग जलभराव से जूझ रहे थे, तब जनप्रतिनिधि नए पद, सरकारी करते रहे। दूसरी ओर, नगर निगम मुख्यालय में नवनियुक्त समिति अध्यक्षों को बधाइयां देने का सिलसिला चलता रहा।

मुगलिसरा स्थित तापी भवन में सूरत महानगरपालिका की 12 समितियों के अध्यक्षों का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शहर में बाढ़ जैसी स्थिति के बीच नागरिकों ने सवाल उठाया कि क्या इस कार्यक्रम को कुछ समय के लिए स्थगित नहीं किया जा सकता था।

सुविधाएं और कार्यालय संभालने के समारोह में व्यस्त थे।

जलभराव से लोग परेशान, निगम कार्यालय में बधाइयों का दौर

शहर की दो प्रमुख खाड़ियां ओवरफ्लो होने से सैकड़ों घरों में पानी भर गया और हजारों लोग राहत की प्रतीक्षा

कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता एक-दूसरे को शुभकामनाएं देने और तस्वीरें खिंचवाने में व्यस्त दिखाई दिए, जबकि शहर के कई इलाकों में लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे थे।

ढोकला, खमन और इडली-सांभर का आयोजन

सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस कार्यक्रम में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए ढोकला, खमन तथा इडली-सांभर जैसे नाश्ते की व्यवस्था की गई। ऐसे समय में, जब शहर के कई हिस्सों में जलनिकासी की समस्या बनी हुई थी, इस आयोजन को लेकर सोशल मीडिया पर भी कई प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

काजू कतली के पैकेट भी बांटे गए

जानकारी के अनुसार, पदभार ग्रहण समारोह के दौरान विभिन्न समितियों के अध्यक्षों के कक्षों में मिठाइयों की व्यवस्था की गई थी। बताया गया कि मिलने आने वाले समर्थकों और कार्यकर्ताओं के लिए एक-एक किलो के दो-दो काजू कतली के पैकेट रखे गए थे, जिनसे एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया गया।

इसी बीच, लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि जहां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री की आवश्यकता थी, वहीं समारोह में मिठाइयों और स्वागत-सत्कार की व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई।

जनता में नाराजगी

इस आयोजन की तस्वीरें और जानकारी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी व्यक्त की। कई नागरिकों ने सवाल उठाया कि आपदा के समय जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता राहत और बचाव कार्य होना चाहिए थी।

शहर के कई नागरिकों ने कहा कि संकट की घड़ी में जनता के बीच रहने के बजाय समारोह आयोजित किए जाने से आम नागरिकों में असंतोष और नाराजगी बढ़ी है।

सूरत में मेघों का तांडव

पलसाणा में सबसे अधिक 8.03 इंच वर्षा

24 घंटे में गुजरात के 107 तालुकों में बारिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर/सूरत। गुजरात में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के 107 तालुकों में

उल्लेखनीय बारिश दर्ज की गई है। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। भारी वर्षा से नदियों, चेक डैमों और जलाशयों में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है, वहीं किसानों में भी अच्छी बारिश से खुशी का माहौल है।

पलसाणा में सबसे अधिक 8.03 इंच बारिश

राज्य में सबसे अधिक वर्षा सूरत जिले के पलसाणा में दर्ज की गई, जहां पिछले 24 घंटों में 8.03 इंच बारिश हुई। इसके अलावा बारडोली में 7.85 इंच, महुवा में 7.64 इंच तथा सूरत जिले के अंबिका क्षेत्र में 6.56 इंच बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण इन क्षेत्रों के कई हिस्सों में जलभराव हो गया।

वलसाड के उमरगाम और वापी में भी भारी वर्षा

वलसाड जिले के उमरगाम में 7.84 इंच बारिश दर्ज होने से कई इलाके जलमग्न हो गए। वहीं वापी में 7.56 इंच वर्षा के कारण सड़कों पर पानी भर गया, जिससे आम जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ।

सौराष्ट्र में भी मेघों की मेहरबानी

सौराष्ट्र क्षेत्र में भी मानसून ने जोरदार दस्तक दी है। जूनागढ़ जिले के मालिया हाटीना में 7.12 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा गीर सोमनाथ के सूत्रापाड़ा में 5.32 इंच, केशोद में 5.28 इंच, मांगरोल में 4.84 इंच तथा भेंसाण में 4.04 इंच वर्षा हुई। लगातार बारिश से नदियों और चेक डैमों में पानी की आवक बढ़ गई है, जिससे किसानों को खेती के लिए लाभ मिलने की उम्मीद है।

60 तालुकों में एक इंच से अधिक बारिश

राज्य के कुल 60 तालुकों में 1 इंच से लेकर 8 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि 32 तालुकों में 2 इंच से लेकर साढ़े 8 इंच तक बारिश हुई। भारी वर्षा के चलते कई निचले इलाकों में जलभराव, सड़कों पर पानी भरने और यातायात प्रभावित होने जैसी स्थिति देखने को मिली।

अभी भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सूरत के ANTM मार्केट के बाहर बारिश के पानी का सैलाब

करोड़ों का माल बचाने के लिए व्यापारियों की जंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। मूसलाधार बारिश ने सूरत के गोडादरा स्थित ANTM मार्केट को जलमग्न कर दिया। मार्केट के बाहर सड़क पर भारी जलभराव होने से करोड़ों रुपये के माल पर संकट मंडराने लगा। दुकानों में पानी घुसने से रोकने के लिए व्यापारियों ने लकड़ी और अन्य सामग्री से अस्थायी अवरोध (बैरिकेड) बनाकर पानी रोकने का प्रयास किया। वहीं ट्रक समेत कई वाहन पानी में फंस गए। लगातार दूसरे दिन हुई बारिश से जनजीवन के साथ-साथ व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस स्थिति ने एक बार फिर सूरत महानगरपालिका की प्री-मानसून तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोडादरा क्षेत्र स्थित ANTM मार्केट के बाहर सड़क पर भारी मात्रा में बारिश का पानी जमा हो गया। करोड़ों रुपये के कपड़ा और अन्य सामान को नुकसान से बचाने के लिए व्यापारियों ने दुकानों के प्रवेश द्वार पर लकड़ी और अन्य सामग्री लगाकर पानी को अंदर आने से रोकने की कोशिश की। सड़क पर जलभराव इतना अधिक था कि ट्रक सहित कई वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो गए और कई वाहन आधे तक पानी में डूब गए।

लगातार दूसरे दिन हुई भारी बारिश से सूरत का जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं शहर के प्रमुख उद्योगों में शामिल कपड़ा कारोबार पर भी इसका गंभीर असर देखने को मिला। टेक्सटाइल मार्केट के बाहर मुख्य सड़क पर पानी का स्तर इतना बढ़ गया कि एक ट्रक बीच सड़क पर ही बंद पड़ गया। कई कारें, टेंपो और अन्य वाहन पहियों से लेकर आधे हिस्से तक पानी में डूब गए, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया।

मार्केट के पार्किंग क्षेत्र और ग्राउंड फ्लोर की दुकानों में रखे करोड़ों रुपये के माल को बारिश के पानी से बचाने के लिए व्यापारी और कर्मचारी युद्धस्तर पर जुट गए। कुछ लोग दुकानों से पानी बाहर निकालते नजर आए, जबकि कई व्यापारियों ने अस्थायी बैरिकेड बनाकर पानी रोकने की कोशिश की। भारी बारिश के बीच अपने माल को सुरक्षित रखने के लिए व्यापारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

नवसारी में बारिश का कहर

पूर्णा नदी में सुपा-कुरेल पुल डूबा 10 गांवों का संपर्क टूटा

26 सड़कें बंद रेड अलर्ट के बीच स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी। नवसारी जिले और उसके ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोकमाता पूर्णा नदी के उफान पर आने से सुपा-कुरेल को जोड़ने वाला लो-लेवल पुल पूरी तरह बाढ़ के पानी में डूब गया है। इसके चलते इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह बंद हो गया है और आसपास के लगभग 10 गांवों का सीधा संपर्क टूट गया है। स्थानीय लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ रहा है।

रेड अलर्ट के बीच स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ियों में छुट्टी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुपा-कुरेल मार्ग को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुल के दोनों ओर पुलिस बल तैनात कर बैरिकेडिंग की गई है।

मौसम विभाग द्वारा जिले में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी के साथ रेड अलर्ट जारी किए जाने के बाद जिला कलेक्टर मनीष गुरुवाणी ने देर रात सोशल मीडिया के माध्यम

से सभी आंगनवाड़ियों, स्कूलों, कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया। हालांकि, आधिकारिक आदेश के बावजूद कुछ निजी स्कूल सुबह खुले होने की जानकारी भी सामने आई है।

26 पंचायत मार्ग यातायात के लिए बंद

सड़क एवं भवन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सुबह 8 बजे तक जिले के कुल 26 पंचायत मार्ग यातायात के लिए बंद कर दिए गए हैं। इनमें नवसारी तालुका के 13 मार्ग, जलालपोर और गणदेवी के 5-5 मार्ग, जबकि चिखली, खेरगाम और वांसदा के 1-1 मार्ग शामिल हैं। अधिकांश सड़कों पर नदी-नालों का पानी बहने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। वहीं मंदिर मोघार रेलवे अंडरपास में पानी भर जाने से एक अन्य मार्ग भी बंद करना पड़ा है।

आज सुबह 6 बजे से 8 बजे के बीच भी जिले में अच्छी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान गणदेवी में 25 मिमी, वांसदा में 20 मिमी, नवसारी में 19 मिमी, जलालपोर में 15 मिमी, चिखली में 12 मिमी और खेरगाम में 10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

लगातार बारिश के कारण नदियों और जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। पूर्णा नदी का जलस्तर 10 फीट, अंबिका नदी का 14.92 फीट और कावेरी नदी का 9.50 फीट तक पहुंच गया है।

हालांकि, तीनों नदियां अभी भी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। जिले के जूज और केलिया बांधों में भी लगातार पानी की आवक बढ़ रही है। जूज बांध का जलस्तर 150.11 फीट तथा केलिया बांध का 100.10 फीट दर्ज किया गया है, जो धीरे-धीरे ओवरफ्लो स्तर की ओर बढ़ रहा है।

जिला प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए अगले कुछ घंटों में स्थिति और गंभीर हो सकती है, इसलिए पूरा प्रशासन अलर्ट मोड पर कार्य कर रहा है।